प्रलिम्सि फैक्ट्स : 20 मार्च, 2021

- अनंगपाल द्वतिीय : तोमर राजवंश

अनंगपाल द्वतिीय : तोमर राजवंश

Anangpal II: Tomar Dynasty

हाल ही में एक सेमनिार के दौरान तोमर वंश के राजा अनंगपाल द्वतिीय की वरिासत पर प्रकाश डाला गया।

अनंगपाल द्वतिीय के वषिय में:

- अनंगपाल द्वतिीय **तोमर राजवंश** से संबंधति थे। इन्हें **अनंगपाल तोमर** के रूप में में भी जाना जाता है।
- उन्होंने **ढल्लिकिा पुरी** की स्थापना की थी जसि आगे चलकर दल्लिी के रूप में जाना गया।
  - **कुतुब मीनार** के नकिट स्थति **मस्जदि कुव्वतुल इस्लाम** के **लौह स्तंभ पर** दल्लिी के प्रारंभकि इतहिास के बारे में साक्ष्य अंकति हैं।
- वभिन्नि शलिालेखों और सक्किों से यह पता चलता है क**िअनंगपाल तोमर 8वीं से 12वीं शताब्दी के बीच वर्तमान दल्लिी और हरयिाणा के शासक** थे।
  - उन्होंने शहर का नरि्माण खंडहरों से कयिा तथा उनकी नगिरानी में ही **अनंग ताल बावली और लाल कोट** का नरि्माण कयिा गया।
- अनंगपाल द्वतिीय के बाद उनका पोता **पृथ्वीराज चौहान** शासक बना।
  - 1192 में **तराइन** (वर्तमान हरयिाणा) के द्वतिीय युद्ध में **पृथ्वीराज चौहान की पराजय के बाद** गोरी की सेना द्वारा दल्लिी सल्तनत की स्थापना की गई।

तोमर राजवंश के वषिय में:

- तोमर वंश उत्तरी भारत के **प्रारंभकि मध्य युग के लघु शासक वंशों में से एक** है। चारण परंपरा (Bardic Tradition) के अनुसार, यह वंश **36 राजपूत वर्गों में से एक** था।
- इस वंश का उल्लेख अनंगपाल (जसिने 11वीं शताब्दी में दल्लिी की स्थापना की) के शासन और 1164 में चौहान (चाहमान) साम्राज्य में दल्लिी के वलिय तक की अवधकि बीच मलिता है।
- हालाँकबिाद में दल्लिी नरि्णायक रूप से चौहान साम्राज्य का एक हस्सिा बन गई लेकनि प्राचीन सक्किों के अध्ययन एवं साहत्यिकि साक्ष्य यह इंगति करते हैं कतिोंगपाल और मदनपाल जैसे राजाओं ने संभवतः 1192-93 में मुसलमानों द्वारा दल्लिी पर अंतमि वजिय प्राप्त करने तक सामंतों के रूप में शासन जारी रखा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-20-march-2021